8 राजा का हिस्सा

B2Y3J8

इस कहानी में एक प्रजावत्सल राजा का वर्णन है। राजा प्रजा की कठिनाइयों में हमेशा उसकी मदद के लिए तत्पर रहते हैं।

राजा भोज बड़े प्रजा-वत्सल थे। वे स्वयं राज्य में घूम-घूमकर प्रजा की कठिनाइयों को देखा करते थे और उन्हें यथासम्भव दूर किया करते थे।

एक दिन राजा अपनी रानी के साथ रथ पर सवार होकर राज्य का भ्रमण कर रहे थे।

वे राजधानी से बहुत दूर निकल गए।

उन्होंने देखा कि एक खेत में एक किसान हल जोत रहा है, मगर उसके हल में एक ही बैल है, दूसरे बैल के स्थान पर उसकी स्त्री हल खींच रही है।

राजा भोज ने रथ रोका और किसान के पास जाकर कहा – ''भले आदमी, तुम यह क्या अत्याचार कर रहे हो? भला कहीं स्त्री को भी हल में जोता जाता है?''

''मेरा एक बैल मर गया है। दूसरा बैल खरीदने के लिए मेरे पास धन नहीं है। अगर खेत न जुता तो मैं खाऊँगा क्या?'' कहकर किसान पुन: अपने कार्य में लग गया।

उसे क्या पता था कि उससे बात करने वाला कौन है?

राजा ने कहा – ''अरे भाई, जरा सुनो तो !''

''जो कहना है, मेरे साथ चलते-चलते कहो, मेरा काम क्यों रोकते हो?'' किसान ने कहा।

राजा भोज उसके साथ–साथ चलने लगे। अपने काम के प्रति किसान की लगन देखकर राजा भोज बहुत प्रभावित हुए। वह बोले – ''भले आदमी ! इस प्रकार तो तुम्हारी पत्नी थक जाएगी और थकावट की वजह से कोई दूसरा कार्य भी नहीं कर सकेगी।''

किसान बोला – ''तो फिर तुम्हीं बताओ, मैं क्या करूँ?''

राजा ने कहा – ''तुम मेरे साथ चलो। मैं अपना एक बैल तुम्हें दे देता हूँ।'' ''मगर इतनी देर मुझे काम रोकना पड़ेगा, तुम्हीं बैल ला दो।'' किसान बोला।

''अच्छा ऐसा करो। तुम अपनी पत्नी को रथ के पास भेज दो, वह मेरी पत्नी से बैल ले आएगी। तब तक मैं तुम्हारे हल में जुतूँगा'' राजा ने कहा।

किसान इस बात पर राजी हो गया। राजा भोज हल में जुत गये और किसान की पत्नी रथ के पास चली गई। उसने रानी को सारी बात बता दी।

रानी ने पूरी बात सुनकर कहा – ''तुम्हारा बैल तो कमजोर होगा। वह हमारे बैल का साथ नहीं दे सकेगा। इसलिए तुम दोनों ही बैल ले जाओ।'' किसान की पत्नी दोनों बैल लेकर खेत पर पहुँची। किसान बहुत प्रसन्न हुआ। राजा भोज ने कहा, – ''अगर कभी कोई दिक्कत हो तो मेरे पास आना।'' कहकर राजा भोज ने उसे अपना परिचय दिया तो किसान बहुत शर्मिंदा हुआ।

उसने राजा से बार-बार क्षमा माँगी। राजा प्रसन्न होकर वापस चल दिए। उस बार उस किसान के खेत में बहुत अच्छी फसल हुई। उसके आश्चर्य का ठिकाना न रहा जब उसने देखा कि खेत के जितने हिस्से को राजा भोज ने जोता था उसमें मोती उगे थे। बाकी के हिस्से में उमदा किस्म के गेहूँ उगे थे।

किसान बहुत प्रसन्न हुआ।

किसान ने सारे मोती इकट्ठे किए और राजा भोज के पास जा पहुँचा। उसने सारे मोती राजा भोज के चरणों में रख दिए और राजा को सारा किस्सा कह सुनाया।

राजा ने कहा – ''ये मोती तुम्हारे खेत में उगे हैं, इन पर तुम्हारा हक है। इन्हें तुम्हीं अपने अधिकार में रखो।''

''नहीं महाराज, यह आपके परिश्रम का प्रताप है। इसलिए मैं इन्हें नहीं ले जाऊँगा। मेरी प्रार्थना है कि आप इन्हें राजकोष में जमा कर लें और गरीबों की भलाई के लिए काम में लें।'' किसान ने प्रार्थना की।

किसान की बात सुनकर राजा बहुत प्रसन्न हुए और उन्होंने मोती स्वीकार कर लिए।

शब्दार्थ

प्रजावत्सल प्रजाप्रेमी **स्वयं** खुद **यथा संभव** जो संभव है **भ्रमण** घूमना **अत्याचार** जुल्म **पुनः** फिर से, दोबारा **थकावट** थकना **कमजोर** निर्बल, अशक्त **दिक्कत** बाधा, परेशानी **उमदा किस्म** उत्तम प्रकार

अभ्यास

1. निम्नलिखित संवाद किसने किसको कहा? और क्यों ?

(1) ''भले आदमी, तुम यह क्या अत्याचार कर रहे हो ? भला कहीं स्त्री को भी हल में जोता जाता है ?''

(2) ''जो कहना है, मेरे साथ चलते-चलते कहो, मेरा काम क्यों रोक रहे हो ?''

(3) ''भले आदमी ! इस प्रकार तो तुम्हारी पत्नी थक जाएगी और थकावट की वजह से कोई दूसरा कार्य भी नहीं कर सकेगी।''

(4) ''ये मोती तुम्हारे खेत में उगे हैं, इन पर तुम्हारा हक है।''

(5) ''नहीं, महाराज, आप इन्हें राजकोष में जमा कर लें और गरीबों की भलाई के लिए काम में लें।''

2. पढ़िए और चर्चा कीजिए :

(1) लड़के विद्यालय में पढ़ते है।
(संयुक्ताक्षर: द्य = द् + य = विद्यालय)

(2) भिखारी द्वार पर खड़ा था।
(संयुक्ताक्षर: द्व = द् + व = द्वार)

(3) यहाँ शुद्ध घी मिलता है।
(संयुक्ताक्षर: द्ध = द् + ध = शुद्ध)

(4) अशोक चक्र हमारा राष्ट्रीय चिह्न है।
(संयुक्ताक्षर: ह्न = ह् + न = चिह्न)

(5) एक ब्राह्मण पूजा कर रहा था।
(संयुक्ताक्षर: ह्म = ह् + म = ब्राह्मण)

(6) बनवीर का उद्देश्य राजगादी पाने का था।
(संयुक्ताक्षर: द्द = द् + द = उद्देश्य)

3. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(1) किसान खेती के लिए किन-किन साधनों का उपयोग करते हैं? चर्चा कीजिए।

(2) किसान खेती करके कौन-कौन-सी फसलें पैदा करते हैं?

(3) आपके गाँव के आसपास में कौन-सी फसलें ज्यादा पैदा होती हैं?

(4) किसान हमें किस प्रकार उपयोगी हैं?

(5) क्या आप किसान बनना चाहेंगे? यदि हाँ तो क्यों, नहीं तो क्यों?

(6) आप बैलगाड़ी में बैठकर घूमना चाहेंगे या मोटरगाड़ी में ? क्यों?

(7) ''पशु हमारे मित्र हैं।'' इस विषय पर चर्चा कीजिए।

V6N9K3

स्वाध्याय

1. प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(1) राजा भोज ने भ्रमण करते हुए क्या देखा ?

(2) राजा भोज ने किसान के पास जाकर क्या कहा ?

(3) किसान की पत्नी खेती के काम में क्यों मदद कर रही थी ?

(4) राजा भोज के दो बैल मिलने पर किसान की फसल में क्या फर्क हुआ ?

(5) किसान शर्मिन्दा क्यों हो गया ?

(6) किसान के क्या कहने पर राजा भोज ने मोती स्वीकार किया ?

(7) राजा भोज किसान से क्यों प्रभावित हुए ?

2. राजा भोज के बारे में पाँच-छः वाक्य लिखिए।

3. सही जोड़े मिलाइए :

मुहावरे	अर्थ
(1) आँख खुलना	(1) बहुत प्रिय व्यक्ति
(2) आँख लगना	(2) क्रोध करना
(3) आँख चुराना	(3) प्रसन्न होना
(4) आँख दिखाना	(4) एक दम से सो जाना
(5) आँखों का तारा होना	(5) सही बात का ज्ञान होना
(6) आँखों में चमक आना	(6) सही बात से टल जाना

4. उपर्युक्त मुहावरों का वाक्यप्रयोग कीजिए।

5. निम्नलिखित शब्द विशेषण हैं उन शब्दों का वाक्य प्रयोग कीजिए :

एक, प्रजावत्सल, बड़ा, होनहार, मीठा, मेहनती

उदाहरण : किसान के पास एक बैल था।

6. नीचे दिए गए चित्र का वर्णन कीजिए और लिखिए :

7. (अ) निम्नलिखित परिच्छेद का अपनी मातृभाषा में अनुवाद कीजिए।

राजा भोज ने रथ रोका और किसान के पास जाकर कहा – ''भले आदमी ! तुम यह क्या अत्याचार कर रहे हो ? भला कहीं स्त्री को भी हल में जोता जाता है ?''

(ब) बक्से में जो शब्दकार्ड हैं, उनको शब्दकोश के क्रम में लिखिए :

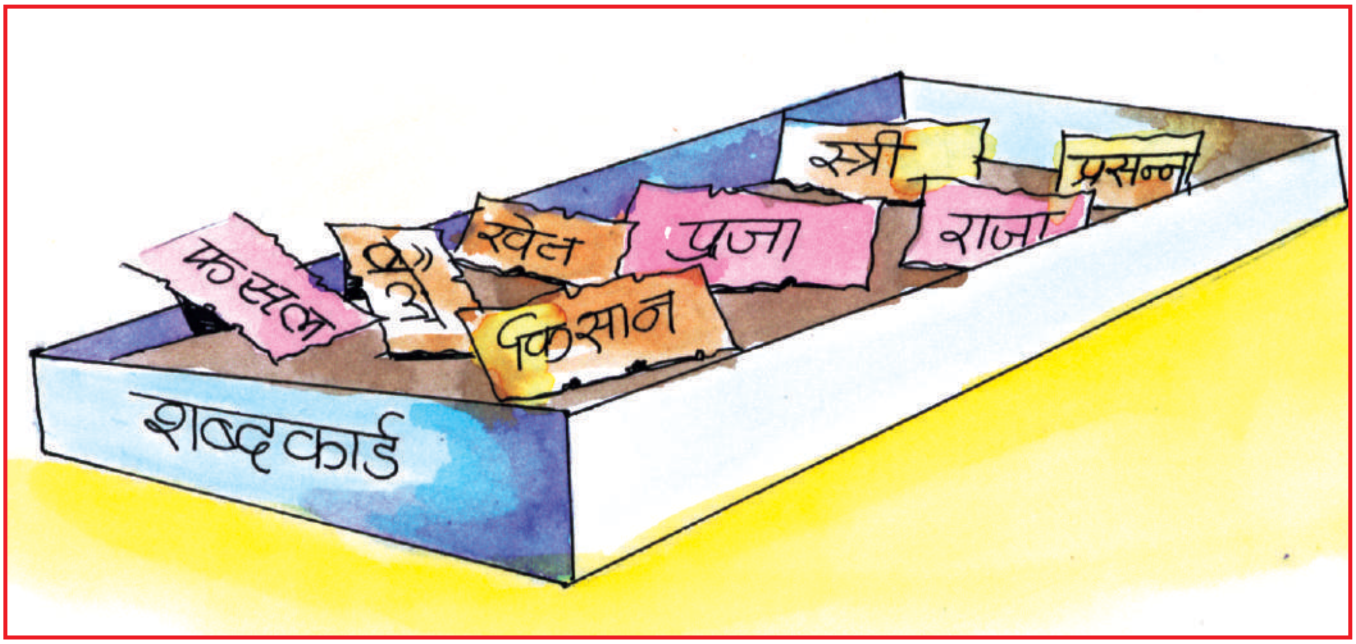

योग्यता-विस्तार

(1) पंचतंत्र की कहानियाँ पढ़िए। जो कहानी सबसे अच्छी लगे उसे अपनी कक्षा में सुनाइए।

(2) हमारे शरीर के अंगों से संबंधित कई तमाम मुहावरे हैं। पाठ्यपुस्तक या पुस्तकालय की किताबों में से अन्य मुहावरे ढूँढ़कर उनकी सूची बनाइए।

(3) शब्दकोश का उपयोग करके नीचे दिए गए वर्णों से शुरू होनेवाले शब्द लिखिए :

(1) त (2) न (3) भ (4) ष

(5) प्र (6) त्र (7) ज्ञ (8) क्ष

(4) आपके गाँव की खेती में क्या-क्या उत्पादन हुआ और उसे बेचने की व्यवस्था कहाँ है ? चर्चा कीजिए।